

सूनासूननलिमववममम २रुनयिपनमादिबऊ, जिनगुमनयय ॥ ॐ ॥
॥ ~~नागहनि~~ ॥ मध्यमनमहामवि कनकनाजिनः पूर्वविदहनऊम्वदी
पंश्रूपनरमजयनी उरुनकनरु वन पंववर्धः पंवजिनव्यापियाय ॥
॥ ६ ॥ नमपंरुवर्धः विष्णुमीजिन विष्वाहिमः विष्वरुमः पथमूनमि
२श्रुद्विपानताः वेहमिजिनमान् सारुनंरु रुयमिमिनघनधाननूपं ॥ ॥
जामवदनस्य याउपद्विप नाउपीद्विप हनरुध्वान २ खसनाला उपद्विप व

उदिगं. सुवन. आउपद्विप. श्रीखलुपनशु ॥ ॥ दिवदवपावियनल. नृधि
 नयावियमफ. अक्षदल. वृधियान. अवननाउ. दिविय. सायनवका. मभिर
 लनिखिलवेदयंति ॥ ॥ गुनवन. मभिवनसा. लगमिपनिलावना. म
 नकसमउदकपनिमंदलिपूजा ॥ ॥ प्रभवपनिलानथि. सफपनिउषि ॥ ३
 ता. एवंजुननिधिसकनलसकुशुन ॥ ॥ ३. ॥ ~~नाना~~ निर्मानादिव
 उषष्टिदलसनामह. मध्यगतकालिहगनादनूपी २ समीनध लिनः ललि

तार्द्धगा. नी. नननीनसगा. पप्रकलनूपी ॥ ॥ ३. ॥ ॐ नमामिदवीशीवजविना
 मिनी. विरुवहनम. खसमहानदवी २ अदियान. पृथुगिनि कामनृषिधीहग
 सुविशुद्धमधुलनृषयंति ॥ ॥ ॥ वसदलसनामहः वनधर्मवका. धा
 उभदलसंलगवकं २ डाकिमनदल. कमल. महासुखवका. इकावननृषी
 हनृकनाथ ॥ ॥ ॥ दहयिजिनविद्यादि. गयारुदनी. गवयिमृगधानया
 नादनूपि २ पी. अदिदभरुमिसृगनपूजति. जिनहानदायनी. वीनध्वनी ॥ ॥

गणेशदेव

दर्पनप्रतिविम्बु. कलज वक्षोपम. अहिनिहिसूमनक वज्रद्वी २ ऊन्म ऊन्म
मानूकुंरुपायसवत्स. इर्गतिनाथनमाक पदाता ॥ ॐ ॥ ~~नागनाथ~~ हेनवि
गमकदहन. पथरहानस्वनूपं २ पथरमनवसं. पथरसाविपूजा ॥ ॐ ॥
शुक्रदेवीवनिनायकिडुवनवीना २ विमलनल्लार्यकसमयाज्जानंद
॥ ॥ दीपंवीनध्वन. सहजानंद २ कलंकमलासन. हृदयानंद ॥ ॥
पथरक पथरकंधस्वनूपं २ देवासूत्रनन. प्रमृदिगहृदया ॥ ॥ ॐ श्रीगणेश

पठयागिनी

श्रीरवधनकनीक २ उमनूयलध्वनि. विनमानंद ॥ ॐ ॥ ~~नागनाथ~~ दि॥
षठयागिनीदेवी. शिडुवधव्यापिनी २ विघ्नमान इष्टदर्पविनाशिनी ॥ ॐ ॥
नमामि वीणीवज्रवाजाहि २ अक्षि सिद्धिदायनी. ऊगमऊननी ॥ ॥
पूर्वदलगम. नकवर्षुगि २ ॐ गान यामिनीदेवी. नीलवदनी ॥ ॥
वायुव्यमाहिनीदेवी. लघमवर्षुला २ पश्चिमसवाविनी. लोवर्षुदहा ॥ ॥
॥ नमोऽसंशासिनीदेवी. हनिमवर्षुला २ दहनवसुकादेवी. धूमवर्षुला ॥

अष्टादश

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

卷之十

वं कानसहस्रान्ननूपचिह्नितः विविक्तकलर्गं १ उं आ ४ इं कानवजामृत् कम्
 दकसफसंरगाधिनहानमन्मयं ॥ ॥ वज्रामृत्नसंवाधिरुलदायकं: सध
 जिनव्यापिनः सहजकलसंरजगन ॥ मनरगाधकशुन्यताः कनूत्तागावः सं
 सावनामनविनकनूपं ॥ ॥ वज्र ॥ पनमानवगन्धवसंयुक्तं भीखरगा
 धिनपथरपियूर्यं २ कं कानमनुपूष्यसंवधः वज्रसंस्थापिनः विपाकलर्गः
 ॥ ॥ घठमलंगननफनूपहावज्रामृत्ताकिनीकलजनूपं २ अनिरिहिसाः

नमो ईं १२
त्रिवक्त्र १

धनिया २१ न० वाक्वजः सूनः भवपि ॥ ॐ ॥ ॥ वागः ॥ नमः ॥
काननूपधन २ स्वच्छ विसखउरुधन ॥ ॐ ॥ गनाईं २ गनाईं २ गनागन ॥
है ॥ ॥ ईं दा आलिंगतथागध ॥ नूरवजघल मूडाधन ॥ ॥ धवनस
भंखूनदहधन २ सनदस ॥ गहिय ॥ वन्दमन ॥ ॥ मायादहनीधजंगु २
साहियकनूतः सखमई ॥ ॐ ॥ ॥ वागः ॥ गनमाधि ॥ त्रिवक्त्रविम
निमधुलमाभः स्थितिज्ञानदमून निधना २ वजवात्राहिः आलिंगतसम्भवा

नानात्रिमिमहाकला ॥ ॐ ॥ गनाईं २ गनाईं २ गनागन ॥ ॥ नील
वधूचउवकुपकिमखत्रिभगः पनमानंदमू निधना २ विन्धवजअर्धवन्दः जय
मूकनधनाः हाजलनतसमाहिता ॥ ॥ वजघलः गजवर्मउमनूखद्वौगः
विनमानंदमून निधना २ कचनिकपा ॥ लपनधु पागत्रिभूलाः वज्रगिनध
नाः व्याघ्रवर्म करि व्यस्तिता ॥ ॥ दिगविदिगः काकाध्यादि यमजकिनीद
वीः सहजानंदमून निधना २ नमामि २ श्रीवक्त्रसम्भवाः सगुनूचनतज्ञाधिना

कलिंगवज्रानन्द १७

१ वागः पञ्चमः ॥ कूलिकवज्रानलः न विभक्तिविकः प्रावयिः अकाननादनुपी २ः
कूडनकागः शिखुवनविष्णुः पयिसयिजिनभक्तिविष्णुपी ॥ ५ ॥ पञ्चमानः
दम्बुकिनूपधानीः काष्ठाधिपः शीमं शवजा २ अंश ४ ३ काष्ठाधिपशीमं
शवजा ॥ ॥ कूलिककमलसंजा गः सरुजानदः पवननगनंगसवि
नगानि २ मयमुखः षट्पुङ्गवः नल्लम्बुटधनिः कूलिकानानुनदहिनवाभ ॥
कूलिकमलपविः वज्रपर्यकासनः कूलिकानानुनदहिनवाभ ॥ ५ ॥ कूलिकानानुनदहिनवाभ ॥

कादादि ५८

दहिनः कनधानिः वामयस्त्यनचापधानि॥ ॥विविजनलकृष्णध.
रुषिकः स्तलयिः अन्नगमूर्तिनूपं २ भक्तगुन्वनधः कमलप्रभादाः नमामि
पनमामिनिनात्यर्द॥ ३६६ ॥ ॥
मन्त्रिः कनकाला २ घनकपिथिरान्नः । वज्रयिकनूरधः क्रियायिनलाला॥
॥ कु॥ मलयङ्गकुश्वज्रयिः छिल्लिमामान हिवज्रयि॥ ॥ गहिरुर्वरा
ऊनगाध्यः मयनापिवियिनयायि २ हालकालिजनः पनयायिः इइवजनया

सर्वप्रकार १७

यि॥ ॥ वउसमकस्तुनिः सिद्धाः कर्पून् लावनयायि २ मलययि धनसालि
कलः स्फुरित् नूखाऊनयायि ॥ ॥ धूपनक्रयकनकः शुद्धाशुद्धनमूनयि २
नित्रसूहः अंगवद्यावयियाः महिऊस वा. यानयायि ॥ ८३ ॥ ॥ ~~नाग~~
~~लावलि~~ ॥ सर्ववृद्धविबुद्धमस्तुताः वि ध्वमालकदनी २ वज्रयागिनी वज्रम
सिग तिलायनी ॥ ६ ॥ नमामिवाद्धलिः सिद्धियागिनी गणमस्तु
ता २ अक्ष आदि सर्वसिद्धिः यागिनी गणमस्तुता ॥ ॥ अशदित्यमस्तुलः गजसनस

१०

सर्वप्रकार १८

दीपमालचन्दनीः मकूरकगदिगंवना २ मस्तुमालारवद्वागं मस्तुताः लक्ष्मि जि का
रयंकना ॥ ॥ गुम्फदवी लक्ष्मि अन्नकाः सयनविश्ववियापिना २ गुम्फवन्न
मित्यंधनीः अवधूवकर्षूपागभवयि या ॥ ८४ ॥ ॥ ~~नाग~~ अहस्तु ॥
हाजारनक्षत्र क्रियायि ३ सम्बन्धन यिकं वाद्धलिः नित्रवध २ गुम्फवान
कनः मस्तुता मस्तुताः मकूरकगदिगंवना ॥ ६ ॥ अथवा मान् सम्बन्धलायाः सम
नसूदनी मान् काला २ हम्बिना हीनी वज्रवाना हीरुठमहि मान् गवा ॥ ॥

॥ मालिंलयनवनसूहमयन. कर्पूजरुवळूगवावा २ गगधनीलावर्धू. वक्षिण
 कृज. मनुमधुलखवनीना ॥ ॥ श्रियधउरवटह. छदिगलसम्बनः पयिस
 यिभून्पलदना २ हसवावाहिनी. वज वावाहि. गुफविन्दपमिर्जभावा ॥
 ॥ गभवनि लीलावज कलियाउ ॥ ॥ सगगुनवनलज्जाना ॥ २ समया
 नन्द. रुलिंगन मधुल सम्बन वजवावाही ॥ ॥ ॥ नागकर्षूदि ॥ जिहंजावा
 पयि. यागिनीदहकवादि २ कमलकूलिग ॥ यलकनद्रूनजीवयी ॥ ॥

यागिनीशुक्रविन्पक्षद्रूनजिवयि २ नागामूहचूम्रियान. कमलसंपिवयी ॥ ॥
 रूपद्रयागिनी. नपनजायि २ मतिकूलवहियान. जलियानसमान ॥ ॥ साग्वघ
 प्रधानकवियान २ वरुसूर्यइयिपक नरवाज ॥ ॥ रुनयिगमजनि
 हमकुंडनूवीना २ मनयनानी. माज उरयनहवीना ॥ ॥ ॥
 नागगथाएववि ॥ विविहविहन्नमा नविममिवदन २ दवास्ननन. शुव
 नरुडकनू ॥ ॥ ॥ नाथेवनमामिजीसम्बनवीना २ वज यागिनीवजिभ

सहस्रभृगवा ॥ ॥ वज्रवावाहिआलिंगधक ॥ २ ॥ द्युसिंविनंविनं
 न. सम्यनमधुला ॥ ॥ गमकूदहन. विम्बुमांसधुलकग २ कनूधनूध
 लायनवीयसंहावे ॥ ॥ द्वादश. लजधवीया. वाविचउवदन २ नी
 लसंहावगगधकुंशलीना ॥ ॥ ७० ॥ वागविलास ॥ उदितागनयिया १२
 पवधइगा २ अलंसह. दानकका भलकगा ॥ ७२ ॥ धानइष्टानहवनि
 संगललिगा २ अखयनी वंजन. भाकलंकगा ॥ ॥ दिनकेनमधुल. म

धगगा २ कनूधममनसवसंकगा ॥ ॥ दग्धआलिहाय. पमिनिहका २ देवास
 नननगिलनमिका ॥ ॥ गमअंमियवनपमि. गुनूहगगा २ वज्रवावाहि. कुंशभिल
 नमिका ॥ ७० ॥ ॥ वागगधलेनवि ॥ ॥ त्रिदलपत्रगुद्यमधुल. महासखकन
 २ दवीवज्रवीवासिनी गत्वहनवर्क ॥ ॥ ७१ ॥ पीवयीनमहानस. गमकूदह
 न २ स्वर्गभारुमार्ज. सखउद्धाननार्थ ॥ ॥ वज्रवावाहिआलिंगध. गग २
 त्रिहवनदवाहनननदवी ॥ ॥ पूजापूषगुकारिषक. अनूरुनक्रिया २

अथवा २३

सत्यननवि. गत्व क्रिया. समुच्चयः ॥ गुणपद्मादत. इर्गनिनाभन २ हनयिकू
 लदह। आचार्यवनिता ॥ ॐ ॥ वागपयस ॥ ऊर्यवाहलिः हनूअघनयि २
 सयनसनासनः ऊगमउधारी ॥ ॐ ॥ महलगवनि पाइकमलमहिमधुल
 नोपननू. ननं काना २ हाऊआरुनध विरुधिगमखलघ २ चलाला २ मि
 निशिनयनिशिनयना ॥ कनमिखस्यन. गीव्यनूदननभिलमाला २
 ककिगखदांगवन. मूकनक ॥ ॥ भिनसीइनवाग. कऊलसूला २

अवनिनिहिगङ्गा न २४

कलुत्रिकर्षणः ताम्बूलसखसाना ॥ ॥ रुनयिस्त्रुनगवज्ज वाद्यलिदासा २
 जीवज्जदवीषसादः जीहनुअपाया ॥ ३ ॥ नानाः कामाद ॥ अर्वनिनिहिगजान्
 नीलसमदहा २ ककनचिनयन ॥ ४ ॥ गमाहूँहूँ ग
 नाहूँहूँ २ हूँहूँहूँहूँहूँ जामअवल ॥ ५ ॥ हनिहनुवक्का
 ६ ॥ उव ३ उमाला २ मालविद्युइहि सफल्यहनना ॥ ६ ॥ निविदिगघ
 इहि १ ॥ हिमसंग २ पाणखरुधनि गिरुवननाथ ॥ ७ ॥ विविधिग वल

अवनिनिर्गुणवामजा २२९

मोलीलंकनदहा २ अगमवांदिग. वल्लहलदायकं ॥ ८६ ॥ वागकाभा ॥
अवनिनिर्गुणवामजातुः खककिन ॥ लमालसंजाभा २ वागद्वयमाहवन्धि
वपाभा. त्रिउवनलाया. अवलवीना ॥ ८७ ॥ नमामिषीचधुमहावापता १४
जायमृग्य लयकृदिगा २ विन्धनाथविन्ध. व्यापिन. विनविक्रम. महाकाट्याया
॥ ॥ अमिहिरवनाउ. उईप्रवधु. दशकनाया. विंइमिकिननौ २ पीठिन
अधनाककननयना. वेनिसंजाभा नाखइसनधा ॥ ॥ माधवमायापून

अगसिक २५

डवुक्का. मोडपिष्ठावादि. पादहनभा २ समनसमाया. वागविभाह. हानला.
समाहिनदहा ॥ ॥ नत्तारुनभाप्रकूलिगमोलि. कयूननोपूननृक्षमूनका
ना २ सूननननामः वंदिगवनभा ॥ वायसनसनअवलवीना ॥ ८८ ॥
वागवसंभा ॥ अगसिकसूमइनिदह ॥ पुराव्वना २ विविधिनत्नमनि. मकू
ठविहविगा ॥ ८९ ॥ नावन्नोअवलविना २ गनावउअनदविनासथिअव
ला ॥ ॥ व्यामउहवविमूमूडादधना २ प्रहाअलिगल. अद्वयमहासूह ॥ ॥

जीवजनेनासा २५

॥ विनाग्रयद्युमिहवरयंकना २ गस्यनिहमः खड्गगुरुनिपाभा ॥ ॥
मानयडुनदर्पः निखिलविघ्नहन्ता २ नविभमिश्रगननः गगलविनासयिज्जः
यला ॥ ॐ ॥ **नागकर्नदि** ॥ श्रीह वज्रनेनासादेवीः शिखवननाथा २
पथरजिनव्यापिन पक्षवधूदहा ॥ ॥ नमोमिश्रीगपूछागवेय
२ हनूकशीगु मध्वनीः वज्रयोगिनी गून्पना ॥ ॥ पूर्वदिगं स्तिनः सेनवे
नीलवधू २ दहिनपाशधारी वामविद्धना ॥ ॥ यस्मिन्नीचोनीयागिनीद्वी

२५

अस्मितादि २८

२ गभवन्निनिवावज हंकानसंवजा ॥ ॐ ॥ **नागपंचम** ॥ अस्मितादी अ
स्पाधकात्र २ अस्मितागिनीवचन ॥ ॥ ॥ सिनसमिंद्रकजलस्त्रला २ देवी
प्रभादनः माक्रुमार्ज ॥ ॥ नन गत्व अधिनप्रोधकानं २ गुनूवाकन
आत्राग्यं ॥ ॥ कूलचंभमाहु ग त्वरुलदं २ कूवधिकुविरु नाभरुल
दं ॥ ॥ गत्वमिनसि सिद्धिरुलप्रभादं २ रुमरुमवजविनामिनिभनदी ॥
॥ ॐ ॥ **नागकर्नदि** ॥ श्रीमंशनाथवनः महावीनविजया २ वधहासखड्ग

जिनवलजनि २८

धनि. नागनासकदस्थनू॥ ॐ ॥ नमामि शीमेरुक्रमावा २ जगदिधन. जग
गयुवुवनव्यापिता॥ ॥ पुरु- कधनशुह. पनमशुनरायाशीध
र्मधारेखान. नपालमधुलसंके. ता॥ ॥ जगमनाथ. जगमनीन
जननाथ २ सर्वसोमपक्षिगनिनंज. ता॥ ॥ ॐ ॥ नागनाथ. जिनव
लजननि. पुरुधनमसिता २ विनागयि समनसं. इंद्राश्रालिंगध ॥ ॐ ॥
निनंसहस्रनय २ गमनसंपूर्ण २ गराश्रालिंगध. जिनदनयन ॥ ॥

१७

कालीदेव

वापयिसंलग. सयनधिमथन २ नागविनागइयिमाभ निषर्ध ॥ ॥
अवुकुलिभसंलग विमूर्खना २ सनननप्रमुख. इंद्राश्रालिंगध ॥ ॥
दहदिहकुवन. शीयागम्वना २ प्रथमामिहानश्वरीश्रालिंगध ॥
॥ ॐ ॥ नागनाथविभ. कैंकैंकैंद हधनू. संसावमन २ इंद्राश्रालिंगध
यागधनू॥ ॐ ॥ हवजुश्रमनाकैंकैं गेनाकैंकैं २ गेनागेन कैंकैं ॥ ॥
सनननवंदिग. वनधधन २ कूसमविलपन दहधनू॥ ॥ रावविमूकठ

विलम्बगुणः कृत्यायि २ नमः ४ ईश्वरी हव ऊडु मृगुध पययि ॥ ३० ॥ वागनाठ
 सकल गगन गुन सम्वन वीवा २ अनूपमः कनूत कविता सुख विहा ॥ ३१ ॥
 सम्वन २ कनूत मयि ता २ विविधिक ल्य विना गन नृपं ॥ ॥ देवी वावाहि ११
 युक्म मसि गदहा २ रुच रुय हनत वि भाव विरम वा ॥ ॥ सकल विद्यु ह
 मिम मि नृगम २ न निपाति स्वर्ग निवा गन नृठा ॥ ॥ रावा राव रुम ह निम
 नि विहा २ अनूपम सुख न स मग्न सुख विता ॥ ॥ ३६ ॥

११

कृत्यायिनी ३१

वागमान वि ॥ वज्र यागिनी हनूता माया २ गिरुवन नाथ दहि म प्रा ॥
 ॥ ३२ ॥ पीवयि न महान स महा सुख कवीया २ वज्र देवी रुलीया अनू रुन रु
 न ॥ ॥ उर्द्ध नात्री शिदल कमल सथा २ दहि विना सयी पवन सं
 दयि ॥ ॥ उंजयी न पं व महा सुख कवीया २ पञ्च भिनसि विरू वा न
 ती ॥ ॥ सग गुन वन ल पञ्च द व उ थं लि ष क २ प्रा ल भ वी मं मान स म
 डा ॥ ३३ ॥ वाग कनदि ॥ नील रुका न प्रकालि ग किन द २ उर्द्ध पिंगल

॥ ६ ॥ नाययिजकालि. गिरुवनब्रह्मस्यजकालि २ स्यानब्रह्मस्यजुष्यजका

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१८

नाचयिन ॥ ॥ अकिनि यमाखधुलाहा २ रूपिनिपंचरुसिद्धिपदाय

३३ अथ

कै॥ ॥ कायवाकविरु वज्र गिन् २ कालकाकमुखवड्डाव ॥ ॥ किउ
मिमधुल. दृष्टि संवीनध्वन २ प्रथमामिन्द्रियसिद्धिप्रदायनी ॥ ॥ २३२ ॥
[वागधनाप्रि] ॥ सभाकाका. महासु खकन. वड्डानंददहा २ गिरुवध
रुलयी. महासुखलाया. वड्डसूर्य इयिमनिया ॥ ६॥ ॥ नपापकिन्तो
पुनरीका. गिरुवनचकध्वनूपी २ सर्वविकल्प. विध्यं सनिदवी. अनुरु
हानवनदायनी ॥ ॥ अमिताभमधुल उदयानधिनि. कल्याननामिव

नूपधामि २ कननिकपाल. खड्गधनी प्रहा. हानवनदायनी ॥ ॥ दिगंव
नमकटकनी. वकीकुधुल. कलिधारी २ नूचकमुखल. पायलधारी. गीधनूड
ननसिन्माला ॥ ॥ सर्वगधगन जननीदवी. विनहिगलवज्जलधे ॥
श्रीवज्रयागिनी त्वनध गिन्गनध वि. गधं निसमनसवजा ॥ ॥ २३३ ॥
[वाग. कामाद] ॥ द्रुविजसंख. खसमदहा. नरुनसकादिसे मयक्रमधवा २ द्वादश
रुज. वदवदना. द्वादशवड्डन. वकनं ॥ ६॥ ॥ नमामिणी विद्यकध्वनं. मानर

20

वसिष्ठ उवाच ॥

लेया रुस्म विरुषिग गगध कका दिवंधु विनाया ॥ ५ ॥ परुस श्रीहनुवभात्र का
 लाया ॥ ६ ॥ गधनाथ श्रीसम्बन लाया ॥ ॥ वज्रकवाटक हाथे धनिया कलि कि
 या उखडांग २ सपूट या गिनी कम ॥ लविहा संगन महासुमनिपु ॥ ६ ॥
 ॥ ॥ वज्रवानाहि आलिंग सम्बन ॥ नाययिवरु विविह विरंग २ गद्य
 लिकालिनेया ॥ ७ ॥ अकिहनु ३ ॥ अर्द्ध उवन सुनक्षस संग ॥ ॥ सहज सप्तहि
 लेया ॥ गगनाकि कर्षपान श्रीहनु ३ ॥ यनक्षपुष्पादा २ पुहा आलिंग ॥ किउं नि

हन्त्राविनासयिषुन्यकनूक्ष ॥ ८० ॥ ~~वागरेनवा~~ ॥ ऊयंऊयंवाद्यलिसयन
 सल्लस्करि २ ऊरवयइ ४ खयसंहाविधी ॥ ४२ ॥ नूक्षंमूर्धंऊनहाः इं काननाययि
 माननिनवाधी ॥ ॥ जिनननया ॥ यिदहपूत्रने जिनऊननि वजयागि
 ती ॥ ॥ ऊयंऊयंहाऊननवसंभा ॥ ल२ कननिकपालखदांगधारी ॥ २९
 ऊयंऊयंमोडमभनस्थित २ गीव्यनूद वनगिनमाना ॥ ॥ ऊयंऊयंनारवइ
 जगनसंस्तान २ प्रथमामिऊदयसंवाद्यली ॥ ॥ ८० ॥ ~~वागरेनवा~~ ॥ ॥

१ गज जिनऊर्ध हाथधनीया कमलकलिसै ऊदयवावि २ उमनूकनहि कूजन
 जिह्ला वामखदांगकपानधना ॥ ४३ ॥ गीसम्वननाया वाद्यलिहु म्रजाग
 निता २ मानयिन वापयिषानमाया ॥ सासूरुवकु मूडासिद्धिविध ॥ ॥
 पागवक्र मूद वामहाथधनीया उ ॥ ननगिलमाला २ नीलहनीमलाहि
 गकनकारववउ मुखअगिविकलालअधना ॥ ॥ अलिरु प्रयारेनवेवा
 पयिषान कालिनागि विम्वमूडा २ विधकलिलग ऊर्धवद जगयूक व्याघ्रवर्म

अखयनिनंजन ३९

षट्मूडा ॥ ॥ अहिसंविनवीनध्वन सायक शिनिवक्र महाविनवीना २ कनूध
अगभवविनवीनध्वन. अंजयी सयान संमानधना ॥ ३० ॥ **नागनिवाह** ॥
अखयनिनंजन. अद्वयअनूपयः गग सवनंज साधना २ शुभ्यता विना भिन्नता
य. श्रीवियादवी. प्रायविदु समजादिता ॥ ३१ ॥ नमामि निलानरुव. निवक्र
नरगगाव. हनुस्मनसं पापिता २ सनदवदसमरुज प्रकासित. जलजवद समय
व्यापिता ॥ ॥ खडगयागभव. साधिन वक्रवह्नि. भनूमधुलरुमगलिना २ नि

२२

वज्रियादि ४०

मोवहृदयावक्र व्यापित अहिसि सिक्क जक्रुमयसाधना ॥ ॥ अनंदपनमा
नंद. विनमा. सहजा चक्रुवानद जसंरुवा २ पनमाविनमा ॥ नद्यादिल महासुख
एगमवनपापिता ॥ ॥ हवजका लवक्र श्रीवक्रमध्वन. अनरुकाठि. सि
आपानंगमा २ श्रीहमअठियान. पूर्ण गिनिजानंधन. प्ररुमहासुखजानई
॥ ३२ ॥ **नागमानव** ॥ वज्रिया निवक्रा निवधुलिदवी २ सिंधिनी. व्याघिनी
जम्बुक उन्किनी ॥ ३३ ॥ नमामि श्रीयागमध्वन २ हानध्वरीया २ शिनिनगद

